दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-
खाना खजाना- राशिफल

रायगढ़, मंगलवार 23 जुलाई 2019
www.nyaysakshi.com

संपादकीय

खाना नहीं सुहाना

सार्वजनिक स्थलों पर खाने की गुणवत्ता की परख करने वाली सरकारी संस्था फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एफएसएसएआई की वह रिपोर्ट चौंकाती है, जिसमें हरियाणा को 16वें पायदान पर रखा गया है। दूध-दही के पौष्टिक खाने के लिये पहचान रखने वाले हरियाणा के बाबत यह रिपोर्ट चौंकाने वाली है। जो इस बात का भी संकेत है कि लोगों की खानपान की आदतों में बदलाव आया है और वे होटल, रेस्टोरेंट व ढाबों में खाना पसंद करने लगे हैं। संस्था द्वारा अपने सर्वेक्षण में हरियाणा को चेताते हुए 'रेड कलर' का तमगा देना चिंता की बात है। एक तरफ हाल के हेल्थ इंडेक्स में हरियाणा का स्थान अव्वल था, वहीं दूसरी तरफ खानपान की गुणवत्ता में राज्य पिछड़ रहा है। दरअसल, गुणवत्ता के मानक निर्धारित करने वाली संस्था देश के सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में ऐसे सर्वे करती है और उच्चस्तरीय प्रयोगशालाओं में नमूनों की जांच की जाती है। विडंबना देखिये कि जांच करने वाली संस्था भी सरकारी है और अनदेखी करने वाली भी सरकार ही है। कहीं न कहीं गुणवत्ता के मानकों की पड़ताल करने वाले सिस्टम की विफलता ही इन खामियों की वजह है। हरियाणा में एफएसओ के 45 पद स्वीकृत होने के बावजूद सिर्फ सात के ही सक्रिय रहना बताता है कि सरकार इस जटिल समस्या को गंभीरता से नहीं ले रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कारगुजारियां भी किसी से छिपी नहीं हैं। इन मलाईदार पदों पर नियुक्ति और उनके क्रियाकलापों पर ज्यादा प्रकाश डालने की आवश्यकता नहीं है। मगर एक बात तो तय है कि हरियाणा में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में गिरावट का निष्कर्ष यही है कि निगरानी के प्रयास ईमानदारी से नहीं किये गये। लोगों में बाहर खाने की प्रवृत्ति जिस तेजी से बढ़ी है, उसके मद्देनजर सरकारी तंत्र की गुणवत्ता निर्धारण की कवायद तेज हो जानी चाहिए। मगर विडंबना कि ऐसा नहीं हो रहा है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आये दिन मिलावटी खाद्य पदार्थ की बिक्री व फल व सब्जियों में घातक रसायनिकों के प्रयोग की खबरें लगातार मीडिया में उछलने के बावजूद राज्य सरकार द्वारा कोई बड़ा अभियान इसे रोकने के लिये नहीं चलाया जाता। फलों को कृत्रिम रंगों से चमकाना, उन्हें रंगना तथा फलों को रासायनिकों के मिश्रण से पकाना आम बात है जो सेहत के लिये घातक है।?मगर इसके बावजूद कोई पकड़-धकड़ अभियान नहीं चलता। किसी की गिरफ्तारी व सजा की खबरें नहीं सुनायी देतीं। विडंबना यह भी है कि आज समाज में पैसा कमाने की हवस इतनी तीव्र हुई है कि नागरिकों के स्वास्थ्य की कोई फिक्र नहीं करता। यह तथ्य किसी से नहीं छिपा है कि राज्य में अधिक मांग व कम आपूर्ति के बावजूद दूध व उससे बने खाद्य पदार्थों की कोई कमी नजर नहीं आती। जाहिरा तौर पर राज्य में सिंथेटिक दूध की दस्तक हो चुकी है। कल्पना कीजिये कि बच्चों और बीमारों को जब यह कृत्रिम दूध दिया जायेगा तो उनके स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ेगा। खाद्य पदार्थों के नमूने फेल होने की एक वजह यह भी है कि लोगों में खाने की गुणवत्ता के बजाय उसका स्वाद प्राथमिकता होता है। लोग सादा व स्वास्थ्यवर्धक खाना खाने से परहेज करते हैं। चटपटा व स्वादिष्ट खाना परोसने की होड़ में इसको लेकर तमाम ऐसे प्रयोग किये जाते हैं, जो उसकी गुणवत्ता में गिरावट का सबब बनते हैं। जरूरत इस बात की है कि राज्य में मिलावट की जांच के लिये उन्नत किस्म की प्रयोगशालाएं बनें, गुणवत्ता की पड़ताल करने वाले अधिकारी पर्याप्त संख्या में तैनात हों। इसके अलावा जनता की शिकायत सुनने के लिये सिंगल विंडो सिस्टम बनाया जाये। सरकार तुरंत इस तरह की शिकायत सुनने के लिये उपभोक्ता हेल्पलाइन सेवा शुरू करे। सरकार की जवाबदेही और जनता की जागरूकता से ही बात बनेगी।

लंबे समय तक आपको सस्ते होम, कार और पर्सनल लोन मिलने के आसार

मुंबई (आरएनएस)। देश में 10 साल के बेंचमार्क बॉन्ड की यील्ड घटकर 6.33 पर्सेंट पर आ गई है। पिछले ढाई साल में यह सबसे कम यील्ड है और सिर्फ पिछले एक महीने में इसमें 0.56 पर्सेंट की गिरावट आई है। वहीं 7 अगस्त को होने वाली मौद्रिक नीति समिति (मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी यानी एमपीसी) की बैठक में ब्याज दरों में एक बार फिर कटौती होने की संभावना है। रीपो रेट अभी 5.75 पर्सेंट है, जो सितंबर 2010 के बाद इसका सबसे निचला स्तर है। जनवरी-मार्च तिमाही में ग्रॉस डोमेस्टिक प्रॉडक्ट (जीडीपी) दर 5.8 पर्सेंट पर आ गई थी, जिससे आर्थिक सुस्ती की आशंका बढ़ी है। एमपीसी ने भी अपना रुख बदलकर महंगाई दर को काबू में रखने के बजाय ग्रोथ पर ध्यान देने की बात कही है। इन सबको देखते हुए लग रहा है कि ब्याज दरें लंबे समय तक कम रह सकती हैं यानी आम लोगों को होम लोन, पर्सनल लोन और कार लोन पर लंबे समय तक कम ब्याज चुकाना होगा।

कंजम्पशन स्लोडाउन यानी खपत घटने और आर्थिक विकास दर पर दबाव को देखते हुए आरबीआई इस साल अब तक रीपो रेट में तीन बार में 0.75 पर्सेंट की कटौती कर चुका है। अभी तक आम ग्राहकों को सस्ते कर्ज के रूप में इसका पूरा फायदा नहीं मिला है, लेकिन पिछले वीकेंड पर आरबीआई गवर्नर ने सरकारी बैंकों से ग्राहकों को फिर से इसका पूरा लाभ देने की अपील की है।

रीपो रेट में कटौती से बैंकों का मार्जिनल कॉस्ट लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) भी घट जाता है, जिससे ग्राहकों को सीधा फायदा मिलता है। इस साल पॉलिसी रेट में कटौती का ग्राहकों को कुछ फायदा मिला भी है। एसबीआई ने हाल ही में एमसीएलआर में 0.05 पर्सेंट की कटौती करते हुए होम लोन की दरों में 0.10 पर्सेंट की कटौती की है। देश के बैंकिंग सेगमेंट में 25 पर्सेंट से अधिक हिस्सेदारी रखने वाले एसबीआई के बाद दूसरे बैंक भी ऐसा कदम उठाने को मजबूर होंगे। शक्तिकांत दास ने भी कुछ समय पहले कहा था, पहले रीपो रेट में कटौती का फायदा ग्राहकों तक पहुंचने में 6 महीने का समय लगता था, लेकिन अब हम इसे 2 से 3 महीने के स्तर पर लाने की कोशिश कर रहे हैं।

बैंक ऑफ इंग्लैंड ने अपनी 325 वर्षगांठ पर प्राचीन नोट सामने रखा

लंदन (आरएनएस)। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने अपनी 325वीं वर्षगांठ मनाने के लिए 325 ऐतिहासिक वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई है जिनमें सबसे पुराने बैंकनोट के साथ ही शीतयुद्ध परमाणु विकिरण कैलकुलेटर भी शामिल है। ब्रिटेन का 'सेंट्रल बैंक' स्वीडन बैंक के बाद विश्व का दूसरा सबसे प्राचीन बैंक है और पुराने समय की याद दिलाने से इसका मकसद उन दिनों की तरफ लौटना है जब उसके बैंक नोट हाथ से लिखे जाते थे। प्रदर्शनी में रखी गई वस्तुओं में 40 पाउंड का एक नोट है जो 1702 के समय का है जो उस समय बड़ी राशि मानी जाती थी जिसकी कीमत आज की तारीख में 9,000 पाउंड से ज्यादा है। साथ ही इसमें एक जाली बैंक नोट भी है जो पहली बार 1858 में सामने आया था जब एक ग्राहक ने सोने के बदले में इसे बदलने की कोशिश की थी।

इसे जाली बताकर इस पर स्टांप लगा कर वापस कर दिया गया लेकिन यह 1898 में फिर से नजर आया और फिर बैंक के पास आया। किसी ने कड़ी मेहनत के बाद इस पर से स्टांप मिटा दिया था। इस बार बैंक ने इसे रख लिया। बैंक ऑफ इंग्लैंड म्यूजियम के क्यूरेटर जेन्नी एडम ने कहा, यह बड़ी दिलचस्प बात है कि लोग कैसे हर बार अपनी किस्मत आजमाते हैं।

सीआईआई ने देश का निर्यात बढ़ाने को 31 उत्पादों की पहचान की

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने ऐसे 31 उत्पादों की पहचान की है जो देश का निर्यात बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। सीआईआई ने कहा है कि एक अध्ययन के जरिये ऐसे 31 उत्पादों की पहचान की गई। इनमें महिलाओं के परिधान, दवाएं और साइकिलक हाइड्रोकार्बन शामिल हैं, जो देश को इन उत्पादों का शीर्ष निर्यातक बनाने की क्षमता रखते हैं। यह अध्ययन ऐसे समय आया है जबकि करीब आठ बाद जून में देश का निर्यात घटा है। जून में निर्यात 9.71 प्रतिशत घटकर 25.01 अरब डॉलर पर आ गया है। सीआईआई ने कहा कि इन चुनिंदा उत्पादों की बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए संबंधित देशों की सरकारों के साथ गैर शुल्क बाधाओं को उठाया जाना चाहिए। इसके अलावा सीआईआई ने प्रभावी रणनीतियां बनाने का भी सुझाव दिया है। इसमें शीर्ष अंतरराष्ट्रीय बाजारों में केंद्र बनाना, उत्पादों का प्रचार और ब्रांड निर्माण पहल का देश के वाणिज्यिक मिशनों के साथ एकीकरण शामिल है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि वैश्विक व्यापार परिदृश्य में तेजी से हो रहे बदलाव, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के स्थानांतरण और नए व्यापार समझौतों के मद्देनजर एक निर्यात रणनीति काफी महत्वपूर्ण हो जाती है।

भारत में डेटा केंद्र स्थापित करने के विकल्प की समीक्षा कर रहेः बाइटडांस

नईदिल्ली (आरएनएस)। सोशल मीडिया मंच टिकटॉक और हेलो की कंपनी बाइटडांस ने रविवार को कहा कि वह अपने भारतीय उपयोक्ताओं की जानकारी को स्थानीय तौर पर सुरक्षित करने के विकल्प की समीक्षा कर रही है।यह घटनाक्रम अहम है क्योंकि भारत सरकार ने हाल में टिकटॉक और हेलो को नोटिस जारी कर उनसे 24 सवाल पूछे थे। ये सवाल भारत में राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के लिए इन दोनों मंचों के कथित दुरुपयोग से जुड़े हैं। सूत्रों के मुताबिक केंद्र ने इन दोनों ऐप को चेतावनी दी है कि 22 जुलाई तक उचित जवाब दाखिल नहीं करने पर उन्हें प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। बाइटडांस ने बयान जारी कर कहा है, नये डेटा संरक्षण कानून को लेकर भारत के प्रयासों को देखते हुए हम यह ऐलान करना चाहते हैं कि हम देश में एक डेटा केंद्र की स्थापना की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहे हैं। हम भारतीय सीमा में रहने वाले अपने भारतीय उपयोक्ताओं को सुरक्षित और विश्वसनीय सेवा उपलब्ध कराने के विकल्पों की जांच कर रहे हैं। कंपनी ने कहा है कि भारत में अपने मंचों की शुरुआत से लेकर अब तक उसने भारतीय उपयोगकर्ताओं की जानकारियों को अमेरिका एवं सिंगापुर स्थित तीसरे पक्ष के डेटा केंद्रों में संरक्षित रखा है।

एनएफएल ने पूर्वोत्तर के राज्यों में यूरिया विपणन में उतारे कदम

नई दिल्ली (आरएनएस)। सरकारी कंपनी नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) ने पूर्वोत्तर भारत में 40 हजार टन यूरिया के विपणन के लिये असम की कंपनी ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड के साथ करार किया है। एनएफएल ने एक बयान में कहा कि दक्षिणी भारत में सफलता पाने के बाद उसने पूर्वोत्तर के राज्यों में उतरने का निर्णय लिया है। कंपनी ने कहा कि वह पूर्वोत्तर राज्यों में किसान यूरिया नाम से यूरिया का विपणन करेगी। कंपनी ने कहा कि किसान यूरिया की पहली खेप पिछले सप्ताह ही असम के तिनसुखिया स्टेशन पर पहुंच गयी।

बबलिक को हराकर इसनेर ने चौथा न्यूपोर्ट एटीपी खिताब जीता

न्यूयार्क (आरएनएस)। अमेरिका के जान इसनेर ने अलेक्जेंडर बबलिक को 7 . 6, 6 . 3 से हराकर चौथा एटीपी ग्रासकोर्ट टूर्नामेंट जीत लिया । इसनेर इससे पहले 2011 , 2012 और 2017 में खिताब जीत चुके हैं । कजाखस्तान के 22 बरस के बबलिक का यह पहला एटीपी फाइनल था ।

जापान ओपनः पीवी सिंधु की नजरें खिताबी सूखा खत्म करने पर

तोक्यो (आरएनएस) । भारत की शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु इंडोनेशिया ओपन के फाइनल में मिली हार के बाद मंगलवार से शुरू हो रहे जापान ओपन बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 टूर्नमेंट में जीत के साथ इस साल के खिताबी सूखे को खत्म करना चाहेंगी। इस टूर्नमेंट में सानिया नेहवाल की वापसी होगी जो फिटनेस समस्याओं के कारण इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाई थी।

सिंधु रविवार को जकार्ता में इंडोनेशिया ओपन के फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से हारकर सात महीने के खिताबी सूखे को खत्म नहीं कर सकी थी। वह इस कसक को जापान में पूरा करना चाहेंगी जहां उनका अभियान चीन की हान यूई के खिलाफ शुरू होगा। सिंधु अगर पहले दौर के मुकाबले को जीत जाती है तो दूसरे दौर में उनका सामना स्कॉटलैंड की क्रिस्टी

गिलमोर या जापान की आया ओहोरी से होगा।

5वीं वरीयता प्राप्त यह भारतीय खिलाड़ी इंडोनेशिया में यामागुची से मिली शिकस्त का बदला इस टूर्नमेंट के चॉर्टर फाइनल में ले सकती है जहां सिंधु का सामना चौथी वरीयता प्राप्त इस खिलाड़ी से हो सकता है। टूर्नमेंट में आठवीं वरीयता प्राप्त साइना नेहवाल इकलौती भारतीय खिलाड़ी है, जिन्होंने मौजूदा सत्र में खिताब जीता है। वह अपने अभियान की शुरुआत में थाइलैंड की बुसनान ओंगबुरूंगपान से भिड़ेंगी। इस खिलाड़ी के खिलाफ साइना के जीत का रेकॉर्ड 3-1 का है।

आज का राशिफल

मेषः- विद्यार्थियों के लिए समय उत्तम है, संतान की ओर से भी शुभ समाचार मिल सकता है, वाद-विवाद से मानसिक कष्ट बढ़ेगा।

वृषभः- यदि आप आपके लिए कुछ नया शुरू करने की योजना बना रहे हैं, तो जल्दबाजी ना करें, सभी पक्षों का सही से मूल्यांकन करें उसके बाद ही कोई निर्णय करें।

मिथुनः- आज अपना मनोबल और रवैया सकारात्मक बनाए रखें। आपकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताए बढ़ सकती हैं। सहनशक्ति से काम लें और कार्यक्षेत्र में दूसरों के सामने अपने को असहज महसूस न होने दें।

कर्कः- आपको भरपूर भाग्य का सहारा मिलेगा। व्यापार अथवा कार्यक्षेत्र में दिन लाभप्रद रहेगा। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वाह कर पाएंगे।

सिंहः- अविवाहितों के लिए अनुकूल समय है, विवाह के योग बनेंगे। आपकी अपनों से भेंट होगी। पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए यह दिन अच्छा रहेगा।

कन्याः- व्यर्थ की भागदौड़ से बचें एवं मानसिक संतुलन बनाए रखें। आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा मजबूत होगी। दिखावे एवं आडंबरों से दूर रहें।

तुलाः- आर्थिक स्थिति में वृद्धि और रुके कार्यों में प्रगति होगी। स्वास्थ्य के मामले में यह समय अच्छा नहीं है। वाहन ध्यान से चलाएं, चोट लगने की संभावना है।

वृश्चिकः- आज आपको कुछ अच्छी और कुछ बुरी चीजों का सामना करना पड़ सकता है, रुके हुए कार्यों में प्रगति होगी परंतु आपकी सक्रियता महत्वपूर्ण रहेगी।

धनुः- आज आप आक्रामक रहेंगे, आपके इरादे बहुत स्पष्ट रहेंगे जिसकी वजह से आप कार्यस्थल और घर पर सभी काम सही तरीके से कर पाएंगे।

मकरः- एक महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात होगी। मनोबल मजबूत रहेगा। रुका हुआ धन मिलेगा। समाज में सम्मान मिलेगा। व्यापार में नई योजनाओं के शुभारंभ की संभावना है।

कुंभः- आज आपके कार्य स्थान पर और अधिक प्रतिस्पर्धी रहेगी, पराक्रम से बिगड़े कार्य भी सफलतापूर्वक पूरे हो सकेंगे। परिवार में मतभेद उभरेंगे।

मीनः- परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। अपनी रोजमर्रा की जिंदगी को और अधिक रोचक बनाएं। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

केले की पकौड़ी बनाने की विधि...

अक्सर इस मानसून मे सभी लोग सबसे ज्यादा पकोड़ी बनाते है। परन्तु आज हम एक स्पेशल केले की पकोड़ी बनाने की विधि के बारे मे जानते है। जो बहुत ही स्वादिष्ट रेसिपी है यह बनाने मे बहुत आसान है। तो चलिए जानते है इस रेसिपी के बारे में -

सामग्री -

- 250 ग्राम सिंघाड़े का आटा
- 5-6 कच्चे केले
- 2 -3 हरी मिर्च
- एक अदरक का टुकड़ा
- सेंधा नमक स्वादनुसार
- घी आवश्कतानुशार

विधि -

यह रेसिपी बनाने सबसे के लिए सबसे पहले केले के दो टुकड़े करके छिलके सहित उबाल ले। केले ज्यादा देर तक नहीं उबाले। अब इनके ठंडे होने के बाद छिलके उतार ले और गोल टुकडे में काट लें। इसके बाद सिंघाड़े के आटे का घोल तैयार करें और इसमे हरी मिर्च, अदरक और स्वादानुसार नमक मिला ले और घोल को गाढ़ा रखे।

अब एक कड़ाही में घी गर्म करे और केले के टुकड़ों को घोल में लपेट कर तेल में छोड़ते जाएं। अब दोनों तरफ से कुरकुरे होने तक सेंक लें। ऐसे करके सारे निकल ले। अब आपके पकोड़े तैयार है अब इन्हे हरी चटनी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 33

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

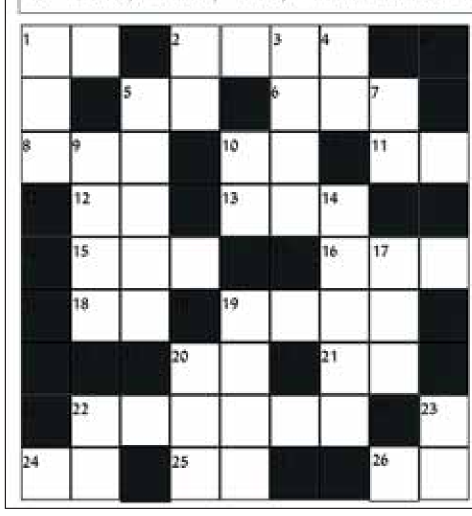

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 32 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

सू-दोकू- 33

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.32 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6